# ओमशान्ति मीडिया

मूल्यनिष्ठ समाज की रचना के लिए समर्पित

वर्ष - 13 अंक - 08 जुलाई - II, 2012 (पाक्षिक) माउण्ट आबू मूल्य 7.50 रु.

जापान। दादी जी से आध्यात्मिक चर्चा करने के पश्चात् होटल के मालिक हमोका को मधुबन आने का निमंत्रण देते हुए एवं ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए दादी एवं साथ में हैं जापान की ब्र.कु.रजनी बहन।

## टेंशन की बजाए अटेंशन देने की आवश्यकता

**जापान, सेनसुई द्वीप।** जापान के फुकुयामा नगर के सेनसुई द्वीप पर 'पावर टू ब्लूम वेयर गॉड हैज प्लैन्टेड यू' विषय पर आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए संस्था की अतिरिक्त सह मुख्य प्रशासिका दादी हृदयमोहिनी ने कहा कि सफलता प्राप्त करने के लिए हमें चार गुणों की आवश्यकता होती है। और इन्हीं गुणों की कमी के कारण जीवन में अनेक प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। वे चार गुण हैं शांति, प्यार, खुशी और आनंद। ये गुण हमें सर्वशक्तिवान पिता परमात्मा से प्राप्त होते हैं। जब भी व्यक्ति दु:खी होता है तब वह भगवान से इन्हीं गुणों की मांग करता है। उन्होंने कहा कि जब हम स्वयं को आत्मा समझकर परमात्मा से



जापान। समूह चित्र में हैं विभिन्न द्वीपों से आये हुए प्रतिभागी।

अपना सम्बन्ध जोड़ते हैं तब हमें स्वत: ही इन गुणों की प्राप्ति होने लगती है। हमारा और उनका सम्बन्ध पिता और बच्चे जैसा है। जब हम ज्यादा तनाव में होते हैं तो हमें सिर्फ टेंशन की बजाए अटेंशन देने की आवश्यकता है तब तनाव स्वत: ही दूर हो जाता है। और चेहरे पर खुशी की चमक आ जाती है। उन्होंने कहा कि भारत एक अध्यात्म प्रिय देश है और वहां से शांति की किरणें विश्व में चारों ओर प्रवाहित होती



रहती है और मानवता को शांति का संदेश देती रहती है। दादी ने सभी को पावरफुल दृष्टि देकर सभी को नजरों से निहाल कर दिया।

ब्र.कु.रजनी बहन ने कहा कि हम सभी आत्मा होने के कारण आपस में आत्मिक रूप से भाई-भाई हैं। विश्व एक परिवार है हम सब एक ही परिवार के सदस्य हैं। परमात्मा इस धरा पर अवतरित होकर सहज राजयोग का ज्ञान देकर मनुष्य से देवी-देवता बना रहे हैं। अब जल्द ही इस सृष्टि पर स्वर्णिम दुनिया आने वाली है। हम अपने आचरण द्वारा दूसरों को शिक्षा भी दे सकते हैं।

ब्र.कु.गीता बहन ने कहा कि चारों ओर विश्व में अशांति का माहौल बना हुआ है। जिसके कारण मनुष्य का जीवन समस्याओं से ग्रस्त हो गया है। ऐसे समय में आध्यात्मिक ज्ञान ही मनुष्यात्माओं में सुरक्षा का कवच प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि आध्यात्मिकता को जीवन में उतारने के लिए मेडिटेशन द्वारा एकाग्रता को अपनाने की आवश्यकता है। मेडिटेशन माना ही स्वयं को सुप्रीम एनर्जी के साथ जोड़कर स्वयं को शक्तियों से सम्पन्न बनाना। परमात्मा से प्राप्त शक्तियों का उपयोग हमें जीवन को सुख, शांति और खुशी से भरपूर करने में करना चाहिए। हमें एक-दूसरे को आत्मिक शक्ति का सहयोग देकर वातावरण को भय से मुक्त बनाना चाहिए।

इस कार्यक्रम को ब्र.कु.नीलू बहन तथा अनेक वरिष्ठ राजयोगी बहनों ने भी सम्बोधित किया। इस कार्यक्रम में आस-पास के द्वीपों से लगभग हजारों लोगों ने भाग लिया।

# स्वर्णिम संस्कृति की स्थापना में महिलाओं का योगदान महत्वपूर्ण - दादी जानकी

स्वर्णिम संस्कृति की स्थापना में महिलाओं को परमात्मा ने नेतृत्व की बागडोर सौंपी है। आज के बदलते परिवेश में महिलाओं को सामाजिक गतिविधियों में भाग लेकर समाज को नई दिशा देने में आगे आना चाहिए।

उक्त उद्गार ब्रह्माकुमारीज़ की मुख्य प्रशासिका दादी जानकी ने ज्ञान सरोवर परिसर में महिला प्रभाग द्वारा 'संस्कृति की संरक्षिक नारी' विषय पर आयोजित चार दिवसीय अखिल भारतीय महिला सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में देश भर से आयी हुई महिलाओं को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किए।

उन्होंने कहा कि महिलाएं अपने स्वमान को जागृत करे तो प्राचीन भारत की सुखदायी संस्कृति को फिर से स्थापित करने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे सकती है।

मध्यप्रदेश महिला विकास आयोग की अध्यक्षा सुधा जैने ने कहा कि कन्याभ्रूण हत्या की रोकथाम के लिए महिलाओं को पूरे साहस, शक्ति व दृढ़ता के साथ एकजुट होकर समाज के आगे आना चाहिए। महिलाएं आध्यात्मिकता से जुड़कर भारतीय संस्कृति के अनुरूप समाज को नई



ज्ञानसरोवर। दीप प्रज्ज्वलित कर उद्घाटन करते हुए संस्था की मुख्य प्रशासिका दादी जानकी, मध्यप्रदेश महिला विकास आयोग की अध्यक्षा सुधा जैन, दिल्ली, ओ.आर.सी. की संचालिका ब्र.कु.आशा, महिला प्रभाग की राष्ट्रीय अध्यक्षा ब्र.कु.चक्रधारी, ज्योति खण्डेलवाल तथा अन्य।

दिशा देने में सक्षम है। जिस काल में भी महिलाओं के सम्मान का ह्रास हुआ उस काल में देश की संस्कृति का भी ह्रास हुआ है। उन्होंने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा मनुष्य को उसके आत्मसम्मान की स्मृति दिलाने व उसके सशक्तिकरण के लिए जो पावन कार्य किया जा रहा है वह हम सभी लोगों को प्रोत्साहित करता है।

जयपुर की मेयर ज्योति खण्डेलवाल ने कहा कि महिलाओं को पश्चिमी संस्कृति का अनुसरण करने के बजाए भारतीय संस्कृति को प्राथमिकता देकर उसका अनुसरण करना चाहिए।

दिल्ली ओ.आर.सी. की संचालिका ब्र.कु.आशा ने कहा कि नारी सारा जीवन अपने कर्त्तव्य के पालन में लगी रहती है चाहे वह बेटी के रूप में हो, माँ के रूप में हो या फिर पत्नी के रूप में हो। उज्ज्वल विचारों से

शेष भाग पृष्ठ 3 पर

# सेवक वह जो समाज को सही दिशा दिखाए - मोघे

**ज्ञानसरोवर।** ब्रह्माकुमारीज़ के समाज सेवा प्रभाग द्वारा ज्ञानसरोवर परिसर में 'परिवार, समाज व प्रकृति' विषय पर चार दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें देशभर से आये हुआ हजारों समाज सेवकों को सम्बोधित करते हुए महाराष्ट्र के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री शिवाजीराव मोघे ने कहा कि जाति-धर्म आदि विभिन्न प्रकार की समस्याओं से जूझ रहे समाज को सही दिशा दिखाने वाले समाज सेवक महान हैं। राष्ट्र के विकास को गतिमान बनाने के लिए समाज सेवकों में समर्पण भाव का होना जरूरी है। उन्होंने कहा कि सामाजिक सद्भावना जागृत करने के उद्देश्य से ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा समाज के विभिन्न वर्गों को एकता के सूत्र पिरोने के लिए जो कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है उसका सार्थक परिणाम अब सामने आ रहा है। त्याग व तपस्यामयी जीवनशैली वाले समाज सेवक वर्तमान समाज में सामाजिक समरसता विकसित करने में अपना महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकते हैं। संस्था की मुख्य प्रशासिका दादी जानकी ने कहा कि हर मनुष्य परमात्मा की संतान है, उसमें कोई न कोई विशेषता अवश्य होती है, जिसे पहचानकर वह अपना जीवनस्तर ऊंचा उठा सकता है और दूसरों का विश्वासपात्र बन सकता है। इसके लिए राजयोग का अभ्यास करना आवश्यक है। संस्था के महासचिव ब्र.कु.निर्वेर ने कहा कि निर्मल मन, हर मानव के प्रति दया, प्रेम व सद्भावना से ही

शेष भाग पृष्ठ 5 पर

ज्ञानसरोवर। कार्यक्रम सम्बोधित करते हुए महाराष्ट्र के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री शिवाजीराव मोघे तथा मंचासीन हैं संस्था की मुख्य प्रशासिका दादी जानकी, ब्र.कु.निर्वेर, ब्र.कु.अमीरचंद, ब्र.कु.वंदना, ब्र.कु.संतोष।